भावी
नवप्रवर्तकों
की प्रेरणा

इंस्पायर-मानक

राष्ट्रीय आकांक्षा और ज्ञान को बढ़ाते लाखों मस्तिष्क

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
DEPARTMENT OF
SCIENCE & TECHNOLOGY
सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान
National Innovation Foundation - India
Autonomous Institute of the Department of Science & Technology, Govt. of India

प्रभाव एक नजर में

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विद्यार्थियों की भागीदारी।

36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश

720+ जिले

720 से ज्यादा जिलों की भागीदारी।

6 लाख से ज़्यादा पंजीकृत स्कूल।

6 लाख+

69 लाख+

69 लाख से अधिक विद्यार्थी अब तक भाग ले चुके हैं।

18 लाख से अधिक विद्यार्थियों को प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए अनुदान दिया गया।

18 लाख+ अनुदान

2600+ विद्यार्थी

2,600 से अधिक विद्यार्थियों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन सहायता प्रदान की गई।

600 से अधिक विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है।

600+ विजेता

254+ पेटेंट दाखिल

254 से ज्यादा पेटेंट आवेदन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के नाम पर दायर किए जा चुके हैं।

51 पेटेंट प्रदान किए गए हैं, जो अभूतपूर्व नवाचार को दर्शाते हैं।

51 पेटेंट स्वीकृत

200+ विद्यार्थी

200 से ज्यादा विद्यार्थी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भाग ले चुके हैं।

इंस्पायर-मानक

भावी नवप्रवर्तकों की प्रेरणा

इंस्पायर-मानक (राष्ट्रीय आकांक्षा और ज्ञान को बढ़ाते लाखों मस्तिष्क) भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), की प्रमुख योजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों के विचारों और नवाचारों को बढ़ावा देना और उन्हें विज्ञान व शोध में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना है। इसका आयोजन डीएसटी और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (रानप्र) – भारत (जो डीएसटी का एक स्वायत्तशासी संस्थान है) द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है।

इंस्पायर-मानक स्कूली विद्यार्थियों के बीच विचार एवं रचनात्मक सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने की एक पहल है, ताकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से सामाजिक ज़रूरतों को पूरा किया जा सके। इसके तहत विज्ञान और सामाजिक उपयोगों पर आधारित दस लाख मौलिक विचारों/नवाचारों (इनोवेशन) को लक्षित किया जाता है। इसे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए "स्टार्टअप इंडिया" पहल के साथ जोड़ा गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम उम्र में प्रतिभाओं को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना है, जिससे भविष्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा और मजबूती देने के लिए एक बेहतर मानव बल श्रृंखला तैयार किया जा सके। इसके साथ ही शोध और विकास के आधार को भी मजबूती दी जा सके।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और रानप्र-भारत देश भर के कक्षा 6 से 12 तक के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों (सरकारी या निजी, सहायता प्राप्त या बिना सहायता प्राप्त) से आवेदन आमंत्रित करता है। देशभर से प्राप्त हुए विचारों में से सर्वश्रेष्ठ अधिकतम एक लाख विचारों का चयन किया जाता है और उन्हें जिलास्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने और प्रोटोटाइप विकसित के लिए दस हजार रूपये की राशि प्रदान की जाती है।

इसके बाद प्रत्येक चरण में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन के लिए देश के सभी जिलों में ज़िला स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (डीएलईपीसी) की एक श्रृंखला आयोजित की जाती है, जिसके बाद हर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के लिए 'राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता' (एसएलईपीसी) आयोजित की जाती है। राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (एनएलईपीसी) में भाग लेने के लिए चयनित सभी विद्यार्थियों को रानप्र-भारत द्वारा देशभर के विभिन्न तकनीकी संस्थानों के सहयोग से मेंटरिंग सहयोग प्रदान किया जाता है, जहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रतिकृति (प्रोटोटाइप) बनाने के बारे में जानकारी दी जाती है। जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनी में बेहतर प्रोटोटाइप प्रदर्शित किया जा सके। यहाँ विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग/डिजाइनिंग के शिक्षकों/विद्यार्थियों से सीखने का भी मौका मिलता है। राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी से श्रेष्ठ 60 नवप्रवर्तनों/विचारों की पहचान कर उन्हें मान्यता प्रदान की जाती है। इन सभी को पूर्ण इन्क्यूबेशन सहायता प्रदान की जाती है ताकि उनकी उद्यमिता यात्रा शुरू हो सके। इन विचारों को रानप्र द्वारा आगे इन्क्यूबेट किया जाता है।

कौन भाग ले सकता है?

1. कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी (समूह में नहीं) (कक्षा 11-12 केवल विज्ञान संकाय)
2. भारत के सभी मान्यता प्राप्त (सरकारी, निजी, सहायता प्राप्त, या बिना सहायता प्राप्त, जो किसी भी राष्ट्रीय या राज्य शिक्षा बोर्ड से संबद्ध हो) विद्यालयों के विद्यार्थी
3. भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में सूचीबद्ध 22 भाषाओं में से किसी भी भाषा में विचार/नवाचार जमा किए जा सकते हैं।

किस तरह के विचार आमंत्रित किए जाते हैं?

मौलिक और रचनात्मक तकनीकी विचार/नवाचार जो रोज़मर्रा की समस्याओं का समाधान करते हों। ये ऐसी समस्याएं हो सकती हैं, जिनका सामना घरों में, किसानों द्वारा, कुलियों, मज़दूरों द्वारा, या बड़े पैमाने पर समाज के भीतर किया जाता है। विद्यार्थियों को अपने आस-पास की समस्याओं को देखने, उनकी पहचान करने और स्वतंत्र रूप से समाधान निकालने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

नवाचार क्या है?

नवाचार को सरल शब्दों में एक नए विचार या उपकरण के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जो उपयोगी हो और जिसे उचित स्तरों तक बढ़ाया जा सके।

किस तरह के विचारों/नवाचारों को बढ़ावा नहीं दिया जाता है?

मौलिक सोच को बढ़ावा देने के लिए, पाठ्यपुस्तकों, "डू इट योर सेल्फ (DIY)" पुस्तकों या वेबसाइटों या अन्य प्रतियोगिताओं में प्रस्तुत विचार/नवाचार स्वीकृत नहीं किए जाते हैं। बुनियादी भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, या गणित की अवधारणाओं/सिद्धांतों को प्रदर्शित करने वाले विचारों को भी बढ़ावा नहीं दिया जाता है।

शिक्षकों और माता-पिता को बच्चों को अपने खुद के रचनात्मक विचार विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। वे भले ही कोई समस्या सुझा सकते हैं या किसी आइडिया का प्रोटोटाइप बनाने में मदद कर सकते हैं, लेकिन मुख्य विचार विद्यार्थी का ही होना चाहिए। शिक्षकों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे वेब लिंक (https://inspireawards-dst.gov.in/download/list-of-common-ideas.pdf) पर जाकर उन विचारों को देखें जो पहले से ही मानक डेटाबेस का हिस्सा है और जिन्हें दोहराया नहीं जाना चाहिए। इससे विचार/नवाचार की मौलिकता सुनिश्चित में मदद मिलती है।

विचार/नवाचार कैसे जमा करें?

1. **विद्यालय स्तरीय आइडिया (विचार) प्रतियोगिता:** विद्यालय के प्राचार्य/ मुख्याध्यापक तय किए गए कक्षा के विद्यार्थियों से लिखित रूप में विचार (आइडिया) आमंत्रित करेंगे। विद्यालय इस उद्देश्य के लिए एक आंतरिक "आइडिया (विचार) प्रतियोगिता" आयोजित कर सकते हैं।

2. **विद्यालयों द्वारा नामांकन:** इसके बाद प्राचार्य/ मुख्याध्यापक अपने विद्यालय के पांच सर्वश्रेष्ठ अभिनव विचारों/नवाचारों को इंस्पायर-मानक पोर्टल (www.inspireawards-dst.gov.in) के ज़रिए ऑनलाइन नामांकित करेंगे। नए विद्यालय भी इस पोर्टल पर रजिस्टर कर सकते हैं।

विचार (आइडिया) प्रतियोगिता क्या है?

विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय "आइडिया प्रतियोगिता" आयोजित कर सकते हैं। विद्यार्थियों को निम्नलिखित से संबंधित विचारों/नवाचारों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है:

- एक मशीन या गैजेट जो वर्तमान में उपलब्ध नहीं है, लेकिन विद्यार्थी उसे बनाना चाहता हो।
- किसी मौजूदा मशीन या गैजेट्स की बेहतरी के लिए सुधार की आवश्यकता हो, जिससे वह बहुआयामी हो सके, उसकी दक्षता/उत्पादन में सुधार हो और कठिन परिश्रम में कमी ला सके।
- इसके अलावा कोई ऐसा विचार जो स्थानीय तकनीकी समस्या का समाधान कर सके, जिसे विद्यार्थी रोजाना अपने आसपास देखता हो।

विद्यार्थियों को अपने विचारों को लिखकर इंस्पायर – मानक योजना के नामांकन हेतु प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक/शिक्षक के पास जमा करना चाहिए।

विचारों/नवाचारों के चयन के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

विद्यालय के स्तर पर विचारों/नवाचारों का चयन करते समय, प्रधानाचार्य और निर्णायक मंडल के सदस्यों को निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए;

- विचार/नवाचार में नवीनता
- सामाजिक उपयोगिता और संभावित प्रभाव
- पर्यावरण की अनुकूलता
- वाणिज्यिक और/या गैर-वाणिज्यिक माध्यमों से प्रसार की संभावना
- मौजूदा सरकारी योजनाओं से प्रासंगिकता

प्रतियोगिता की अवधि

नामांकन अवधि और अन्य जानकारियों के लिए कृपया आधिकारिक इंस्पायर –मानक वेबसाइट पर जाएं।

10वें राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता सम्मान समारोह
डॉ. जितेन्द्र सिंह
10th National Level Exhibition and Project Competition Felicitation Ceremony
Dr. Jitendra Singh
Hon'ble Union Minister of State (Independent Charge)
Ministry of Science & Technology
October 11, 2023, Vigyan Bhawan, New Delhi

SHRISH MADHAN
RITHESH M
SHINDE
ADIT SINGH

योजना का क्रियान्वयन निम्नलिखित चरणों में किया जा रहा है:

क्षेत्रीय कार्यशालाओं, ऑडियो-विज़ुअल माध्यमों और साहित्य के ज़रिए देशभर में ज़िला और राज्य स्तर के अधिकारियों के बीच जागरूकता और क्षमता निर्माण।

विद्यालयों में आइडिया प्रतियोगिताओं का आयोजन और किसी भी भारतीय भाषा में अधिकतम पाँच सर्वश्रेष्ठ मौलिक विचारों/नवाचारों का नामांकन, संबंधित प्राचार्य/ मुख्याध्यापक द्वारा इंस्पायर – मानक पोर्टल (www.inspireawards-dst.gov.in) के माध्यम से ऑनलाइन किया जाता है।

नए स्कूल भी इंस्पायर-मानक पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

जिला/राज्य प्राधिकरणों द्वारा इंस्पायर –मानक पोर्टल के माध्यम से विचारों/नवाचारों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को भेजा जाता है।

रानप्र द्वारा सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता वाले अधिकतम 1,00,000 विचारों/ नवाचारों का चयन किया जाता है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए अंतर्गत प्रत्येक चयनित विद्यार्थियों के बैंक खातों में 10,000 रुपये भेजा जाता है।

जिला/राज्य प्राधिकरणों द्वारा जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिताओं (डीएलईपीसी) का आयोजन और राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिताओं(एसएलईपीसी) के लिए सर्वश्रेष्ठ 10,000 विचारों/नवाचारों का चयन किया जाता है।

राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिताओं (एसएलईपीसी) से शीर्ष 1,000 विचारों/नवाचारों का चयन किया जाता है। इस स्तर पर, रानप्र देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक और प्रौद्योगिकी संस्थानों के साथ मिलकर प्रोटोटाइप विकास के लिए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन सहायता प्रदान करता है।

विचारों/नवाचारों का चयन उसकी नवीनता, व्यावहारिकता, सामाजिक उपयोगिता, पर्यावरण की अनुकूलता और वर्तमान में मौजूद तकनीकी से बेहतरी के आधार पर किया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (एनएलईपीसी) में 1,000 सर्वश्रेष्ठ विचारों/ नवाचारों का प्रदर्शन किया जाता है और शीर्ष 60 विचारों/नवाचारों का चयन किया जाता है।

रानप्र द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चुने गए शीर्ष 60 विचारों/नवाचारों के उत्पाद विकास तथा डीएसटी/ रानप्र की अन्य योजनाओं के साथ उन्हें जोड़ने का प्रयास किया जाता है। शीर्ष नवाचारों/विचारों को वार्षिक "नवाचार एवं उद्यमिता उत्सव" में प्रदर्शित किया जाता है।

million minds augmenting national aspiration and knowledge

inspire manak

www.inspireawards-dst.gov.in

इंस्पायर-मानक
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
प्रौद्योगिकी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली - 110016
ईमेल: inspire.awards@nic.in

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का स्वायत्तशासी संस्थान, भारत सरकार
ए-50, परमहंस योगानंद रोड, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर 62, नोएडा, उत्तर प्रदेश - 201309
मुख्यालय: ग्रामभारती, अमरापुर, गांधीनगर-महुदी रोड, गांधीनगर, गुजरात - 382650
ईमेल: inspire@nifindia.org | संपर्क: 0120-2400083, 09638418605